>

Title: Need to complete pending railway projects in Jharkhand.

श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय (गिरिडीह): महोदया, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि झारखण्ड राज्य में कई परियोजनाएं अनेक वर्षों से लंबित हैं और इस बारे में कई बार रेलवे से आग्रह किया गया, लेकिन हर बार रेलवे की ओर से नकारात्मक जवाब और झारखण्ड राज्य के बारे में सौतेला व्यवहार देखने को मिला। गिरीडीह-पारसनाथ-मधुबन को रेल लाइन से जोड़ने की घोषणा की गयी, सर्वे के लिए भी बात आई, लेकिन अभी तक कार्य में कोई प्रगति नहीं है। कोडरमा-गिरीडीह-हजारीबाग रेल लाइन परियोजना भी आज की तारीख में लंबित पड़ी है और वर्तमान में कोडरमा-बरकाखाना-गढ़वारोड, बरकाखाना-गोमो-धनबाद मंडल, सोननगर-गढ़वारोड-मुगलसराय मंडल पर समपार गैलरियों के फीडर मार्ग पर पुलों का मजबूतीकरण के काम लंबित हैं। यह विषय नियम 377 के तहत भी सदन में उठाया गया। रामाकुंडा हाल्ट के बारे में भी इस सदन में वर्ष 1996 से हम लोग बात रख रहे हैं, लेकिन अभी तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। फुसरो का रेल समपार, जहां मेरा निवास है, को बंद कर दिया गया और आज कोल ट्रंक रोड, जो भारत सरकार और कोल इंडिया द्वारा बनाई गयी थी, जो बंगाल और झारखण्ड को जोड़ने का काम करती है, उसको भी वर्तमान में बंद रखा गया है। चन्द्रपुरा में आज लगभग 10 वर्ष से लोग जहां से लाइन पार करते थे, मोटर साइकिल वगैरह पार होती थी, उसको भी बंद कर दिया गया है। रेलवे का नकारात्मक रवैया है कि धनबाद जो झारखण्ड का एकमात्र और कोयलांचल का सबसे बड़ा जंक्शन है, वहां वीआईपी पार्किंग को बंद कर दिया गया है। इस विषय में हम लोगों ने रेल मंत्रालय से चर्चा की तो उन्होंने कहा कि सुरक्षा कारणों इसे बंद किया गया है, जब तक वहां आज तक न कोई एफआईआर दर्ज की गयी है, न कहीं कोई दुर्घटना घटी है। इसके साथ ही अंगारपथरा, कतरासगढ़ रेल फाटक को भी लगभग एक वर्ष से बंद करके रखा गया है, जिससे वहां का आवागमन में बाधा हो रही है और लोगों को पांच किलोमीटर घूमकर जाना पड़ता है। मेरा आपसे आग्रह है कि इस विषय पर आपके माध्यम से रेल मंत्रालय को यह आदेश निर्गत किया जाए कि ये जनहित से जुड़े हुए मामले हैं और इन पर अविलम्ब कार्रवाई हो।

श्री संजय निरुपम : महोदया, मैं आपका बहुत आभारी हूं कि जो विषय मैं प्रश्नकाल में रखना चाहता था, उसे आपने जीरो ऑवर में उठाने का मौका दिया। माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी सदन में उपस्थित हैं, यह भी बहुत अच्छी बात है। वह हमारी पार्टी के एक वरिष्ठ नेता हैं और बहुत ही गंभीर एवं सक्रिय स्वास्थ्य मंत्री हैं। मैं आपके माध्यम से उनका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : उनको बोलने दीजिए। अभी आपकी बारी आएगी।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।